Wind Energy Programme ta U. P

486. DR. NAUNIHAL SINGH : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether it is a fact that some studies have been undertaken in Uttar Pradesh to evaluate the potential of wind energy generation;

(b) if so, what are the main conclusions thereof; and

(c) whether some project on experimental basis is being planned to ascertain the practicals feasibility of this source of energy ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY RESOURCES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : (a) and (b) Yes, Sir. Preliminary investigations and short-term wind surveys undertaken by the State Government at certain locations in the hill districts of Uttar Pradesh have indicated prospects for harnessing Wind Energy for power generation. However, in order to assess the wind potential quantitatively and to identify sites for wind power projects, the Non-Conventional Energy Development Agency (NEDA), Uttar Pradesh have entrusted to the Indian Institute of Tropical Meteorology, Field Research Unit (HTM, FRU), Bangalore, the task of establishing wind monitoring stations at nine potential locations in the hilly region.

(c) Wind power projects can be planned at suitable locations in the State, if the results of wind monitoring project indicate their fessibility.

गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत के माध्यम से विद्युत उत्पादन का लक्ष्य

487 श्री राम जेठमलानी :
डा० जितेन्द्र कुमार जैन

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश में गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से विद्युत् उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं; और आठवीं पंचवर्षीय योजना प्रारम्भ होने से पूर्व देश में गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से कितना विद्युत् उत्पादन किया गया था ;

(ग) क्या सरकार ने देश में गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से विद्युत् उत्पादन कर पाने की क्षमता का पता लगाया है; और

(घ) यदि हां, तो इन स्रोतों के माध्यम से विद्युत् उत्पादन की कुल क्षमता कितनी है और इस क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए कुल कितने पूंजी निवेश की आवश्यकता है?

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री और कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) और (ख) जी हां । सरकार ने आठवीं योजना के दौरान देश में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से विद्युत् के उत्पादन के लिए लक्ष्य निर्धारित किए हैं । यह उत्पादन सहित निजी क्षेत्र की सहभागिता के साथ पवन ऊर्जा, लघु जल विद्युत और बायो-ऊर्जा पर आधारित 600 मे.वा. से अधिक की समग्र क्षमता की विद्युत उत्पादन परियोजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव है। राजस्थान में मेगावाट श्रेणी में सौर तापीय विद्युत संयंत्र की स्थापना के लिए एक प्रस्ताव भी विचाराधीन है । 7.50 लाख पारिवारिक आकार के बायोगैस संयंत्र, 450 सामुदायिक/संस्थागत बायोगैस संयंत्र, 100 लाख उन्नत चूल्हे और सौर तापीय ऊर्जा प्रणालियों के अंतर्गत 3 लाख सौर कुकर और 2.75 लाख वर्गमीटर से अधिक संग्राहक क्षेत्र स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है । इसके अलावा देश भर में निजी लाभार्थियों/सामुदायिक इस्तेमाल के लिए 25000 सौर प्रकाश वोल्टीय रोशनी प्रणालियां, 600 सौर